2006

NB.BA-II(Hindi-II)

ull Marks: 70 Time: 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15x2=30

(क) उपन्यास-कला की दृष्टि से 'सेवासदन' अथवा 'पुरुष और नारी' की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'सेवासदन' की मुख्य समस्या पर प्रकाश डालिए।

(ग) अजीत अथवा सुमन का चरित्र चित्रण कीजिए।

(घ) प्रेमचंद की कहानी-कला पर प्रकाश डालिए।

(ड.) 'बेटों वाली विधवा' की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालिए।

(च) 'माँ' कहानी में व्यक्त राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15x2=30

(क) 'अंधेर नगरी' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(ख) ध्रुवस्वामिनी अथवा कोमा का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ग) नाटय-कला की दृष्टि से 'अम्बपाली' की समीक्षा कीजिए।

(घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ड.) 'घर जोड़ने की माया' के कथ्य पर विचार कीजिए।

(च) 'एक कुत्ता और एक मैना' संस्मरण में गुरुदेव की किन चारित्रिक विशेषताओं का उद्घाटन किया गया है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं **दो** अवतरणों की व्याख्या कीजिए : 5x2=10

(क) अमर होना चाहते हो, तो मरना सीखों। जो मरने के लिए कमर बाँधता है, वही अमर होता है।

(ख) आदर या प्रेम-विहीन महिला महलों में भी सुख से नहीं रह सकती।

(ग) बुढ़िया में वह अधिकार-प्रेम न था, जो वृद्ध जनों को कुट और कलहशील बना दिया करता है।

(घ) मेघ संकुल आकाश की तरह जिसका भविष्य घिरा हो, उसकी बुद्धि को तो बिजली के समान चमकना ही चाहिए।

(ड.) वृज्जियों का रक्त देव रक्त है, वह राक्षस के शरीर में नहीं रह सकता।

(च) डरपोक ही समझौता किया करते हैं।

2006

NB.B.A.Hindi.(H)-II(P-III)

Full Marks: 70 Time: 3 Hours

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
प्रश्न संख्या 1 से उत्तर देना अत्यावश्यक है।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 2x7=14

(क) सतयुग में मनुष्य की मुक्ति ज्ञान से होती थी, त्रेता में सत्य से, द्वापर में भक्ति से, पर इस कलियुग में इसका सिर्फ एक ही मार्ग है और वह है सेवा। इसी मार्ग पर चलो, तुम्हारा उद्धार होगा।

(ख) बात यह है कि पानी बहते-बहते कहीं बँधा गया है। उसे खुलना चाहिए। जीवन को कुछ बहिर्गमन मिले और घर के भीतर की गृहस्थी को घर से बाहर की दुनिया का अधिक और अधिक संसर्ग मिले तो शायद कुछ इसकी दृष्टि हो, चैतन्य जगे।

(ग) जवानी की सुन्दरता आग लगाती है और बुढ़ापे की सुन्दरता स्नेह बरसाती है।

(घ) दुनिया ! स्वार्थी दुनिया ! जो मनुष्य मेरे तलुए सहलाने में अपना भाग्य समझते थे, उनमें से आज कोई भी सांत्वना-भरा एक शब्द तक नहीं कहता। हाय री विडम्बना ! बड़े-बड़े रईस, ठाकुर, सेठ ....

(ङ.) आजकल खरीदने की धुन में हूँ, बेचती कम हूँ।

2. 'सेवासदन' में व्यक्त समस्याओं को उद्घाटित कीजिए।

3. औपन्यासिक तत्त्वों के आधार पर 'सेवासदन' की समीक्षा कीजिए।

4. 'सुनीता' की कथा एक समस्या को केन्द्र में रखकर चली है। इस कथन के औचित्य-अनौचित्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

5. डॉक्टर प्रशांत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. 'उसने कहा था' कहानी के मुख्य नायक 'लहना सिंह' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. 'ज्योतिर्मयी' शीर्षक कहानी की शिल्प-संरचना पर प्रकाश डालिए।

8. 'अछूत' शीर्षक कहानी की मूल संवेदना को विश्लेषित कीजिए।

9. कथानक की दृष्टि से 'चूड़ीवाली' की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

10. 'नमक का दारोगा' कहानी के कथ्य को स्पष्ट कीजिए।

2006

N-B.A.-II-Hin(H)(P-IV)

:Hours Full Marks-50

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

प्रश्न संख्या-1 से उत्तर देना अत्यावश्यक है।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए ।

(क) पौधे अंधकार में बढ़ते हैं, और मेरी नीतिलता भी उसी भाँति विपत्ति तम में लहलही होगी। हाँ, केवल शौर्य से काम नहीं चलेगा। एक बात समझ लो, चाणक्य सिद्धि देखता है, साधन चाहे जैसा भी हो।

(ख) सीधा शिकार सिर्फ शेर करता है। और सभी जानवर, जिनका आदमी सिरताज है, हमेशा आड़ लेकर निशाना लेते हैं।

(ग) खजुर के पेड़ विश्व-बंधुत्व की भावना से प्रेरित हैं। इनके राज्य में कोई पक्षपात नहीं, कोई भेद-भाव नहीं, इनका द्वार सबके लिए खुला है।

(घ) स्वर्गीय वस्तुएँ धरती से मिले बिना मनोहर नहीं होती।

(ड.) मैं मनुष्य के नाखुन की ओर देखता हूँ तो कभी-कभी निराश हो जाता हूँ। ये उसकी भयंकर पाश्वी वृत्ति का जीवंत प्रतीक है। मनुष्य की पशुता को जितनी बार भी काट दो, वह मारना नहीं जानती।

2. "अंधेर नगरी" नाटक के उद्‌देश्य पर विचार कीजिए ।
3. "चन्द्रगुप्त" नाटक के आधार पर "चन्द्रगुप्त" का चरित्र-चित्रण कीजिए।
4. "अम्बपाली" नाटक का सविस्तार समीक्षात्मक परिचय दीजिए।
5. "शाहजहाँ के आँसू" के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।
6. "खजूर के पेड़" के उद्‌देश्यों पर प्रकाश डालिए।
7. "अशोक के फूल" निबंध के शिल्पगत और भाषागत विशेषताओं को उद्‌घाटित कीजिए।
8. "वसंत आ गया है" निबंध की विशेषता बताइये।
9. लेखक मनुष्य के नाखून देखकर क्यों निराश होता है, उन कारणों पर विचार कीजिए।
10. निबंधकार के रूप में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का मूल्यांकन कीजिए।

O O O

Nalanda Open University

Bachelor of Arts, Honours, Part-II
Examination, 2008
Hindi (Subsidiary),
Paper-II (हिन्दी गद्य)

Time: 3.00 Hrs. **Full Marks : 70**

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न सं० 1 अनिवार्य है।

1. दिए गए अवतरणों की व्याख्या कीजिए। 7x2 =14

(क) व्यंग्य और क्रोध में आग और तेल का सम्बन्ध है। व्यंग्य हृदय को इस प्रकार विदीर्ण कर देता है जैसे छेनी वर्फ के टूकड़े को। सुमन क्रोध से विहूल होकर बोली 'अच्छा तो जबान संभालो, बहुत हो चुका। घंटे भर से मुँह में जो अनाप–शनाप आता है बकते हो। मैं तरजीह देती जाती हूँ उसका यह फल है। मुझे कोई कुलटा समझ लिया है?

अथवा

उसका छोटा–सा संसार फैलते–फैलते विश्व न्यायी हो गया। जिसे लंगर ने नौका को तट से एक केन्द्र पर बाँध रक्खा था, वह उखड़ गया। अब नौका सागर के अशेष विस्तार में भ्रमण करेगी।, चाहे वह उद्यम तरंगों के वश में ही क्यों ना विलीन हो जाए।

(ख) लोभ पाप को मूल है लोग मिटावत मान।
लोभ कवहूँ नहि कीजिए यामैं नरक निदान।।

अथवा

वेदना जब संगीत बन जाए, व्यथा जब रागिणी का रूप धारण करे, प्रेम की सार्थकता तब सिद्ध होती है।

2. पुरूष और नारी उपन्यास में नायक का चरित्र चित्रण कीजिए। 14
3. 'सेवा सदन' उपन्यास की कथा वस्तु संक्षेप में लिखिए। 14
4. 'अलज्योफा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 14
5. 'बड़े भाई साहब' कहानी के कथानक की विशेषताएँ बताइये। 14
6. कहानी कला की दृष्टि से 'ईदगाह' कहानी की समीक्षा कीजिए। 14
7. ध्रुवस्वामिनी का चरित्र–चित्रण कीजिए। 14
8. अम्बपाली नाटक के आधार पर अम्बपाली का चरित्र–चित्रण कीजिए। 14
9. 'घर जोड़ने की माया' ललित निबंध की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 14
10. संस्मरण की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 14

****